भारत में मूल्य-अर्जन अनुपात

1659. **श्री राम जेटमलानी :**
डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 5 मई, 1991 के "स्टेट्समैन" दैनिक समाचार-पत्र में "प्राइस अर्निंग रेशो लो इन इंडिया" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो विश्व के अन्य विकासशील देशों की तुलना में भारत में पूंजी निवेश से प्राप्त होने वाले लाभ के अनुपात का प्रतिशत कम होने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार इस अनुपात को बढ़ाने के लिए कोई उपाय कर रही है ; और

(घ) यदि हां तो उनका ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी०जे० कुरियन) : (क) जी, हां। 5 मई, 1991 के "स्टेट्समैन" में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार, भारतीय पूंजी बाजार का औसत मूल्य-अर्जन अनुपात जापान, इंडोनेशिया, ताईवान, मलेशिया, और थाईलैंड जैसे कुछ अन्य देशों की तुलना में कम बताया गया है।

(ख) इन देशों में अपेक्षाकृत बेहतर मूल्य, अर्जन-अनुपात, अलग-अलग बाजार पूंजीकरण दरों, अलग-अलग ऋण इक्विटी अनुपातों की मात्राओं, शेयर इन्स्ट्रूमेंट्स की सीमित आपूर्ति, जिसके कारण शेयर मूल्य बढ़ते हैं, आदि के कारण हो सकता है। इनमें से कुछ अर्थ-व्यवस्थाओं में उच्च विकास की संभावनाओं के कारण भी उच्च मूल्य-अर्जन अनुपात हो सकता है।

(ग) जी, नहीं। यह आवश्यक नहीं है कि मूल्य-अर्जन अनुपात में वृद्धि से पूंजी बाजार की समृद्ध हालत का पता लगता हो।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

मध्य प्रदेश में रायगढ़ में खाद्य-प्रसंस्करण एकक

1660. **कुमारी सईदा खातून :** क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे :

(क) क्या मध्य प्रदेश में, रायगढ़ में जहां आदिवासी किसान बड़े पैमाने पर टमाटर की अच्छी खेती करते हैं, एक खाद्य-प्रसंस्करण उद्योग की स्थापना करने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

( ) मध्य प्रदेश में अब तक कितने खाद्य-प्रसंस्करण उद्योगों को स्वीकृति दी गई है तथा जब से यह नया मंत्रालय बना है तब से लेकर अब तक वहां कितने उद्योग स्थापित किए गए ?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री गिरिधर गोमांगो) : (क) जी, हां।

(ख) मध्य प्रदेश राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लिमिटेड, भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के रायगढ़ जिले में टमाटर और दूसरे फल प्रसंस्करण एककों की स्थापना पर एक तकनीकी आर्थिक सम्भाव्यता रिपोर्ट की इस मंत्रालय में जांच की गई है और मध्य प्रदेश राज्य कृषि उद्योग विकास निगम लि० से कुछ स्पष्टीकरण और दस्तावेज मंगाये गये हैं। इस परियोजना में टमाटर, पपीता, अमरूद आम और कटहल का प्रसंस्करण शामिल है। भारत सरकार 75% तक अनुदान सहायता देकर इस परियोजना को स्थापित करने में मदद करेगी।